चीनी का पर्याप्त भंडार होने का दावा, कीमतों पर है पैनी नजर

संजीव मुखर्जी
नई दिल्ली, 5 अक्टूबर

चीनी के आयात शुल्क में कमी किए जाने की तमाम अटकलों को शांत करते हुए सरकार ने यह साफ कर दिया है कि आगामी त्योहारी मौसम की जरूरतों को पूरा करने के लिए देश के पास चीनी का पर्याप्त भंडार मौजूद है।

केंद्रीय खाद्य एवं आपूर्ति मंत्रालय की तरफ से बुधवार को जारी एक बयान में कहा गया कि त्योहारी मौसम में चीनी की बढ़ी जरूरतों को पूरा करने के लिए आवश्यक भंडार देश के भीतर मौजूद है। इसके साथ ही हाल के महीनों में चीनी की कीमतों के काफी हद तक स्थिर रहने पर भी संतोष जताया गया है। इस बयान के मुताबिक, देश भर में चीनी की औसत कीमत 40 से 42 रुपये प्रति किलो चल रही है। सरकार कीमतों के काफी हद तक स्थिर होने के बावजूद उस पर लगातार नजर बनाए हुए है।

सरकार की तरफ से यह बयान खाद्य मंत्रालय के अधिकारियों की चीनी और दालों समेत आवश्यक खाद्य वस्तुओं की कीमतों के बारे में एक दिन पहले हुई बैठक के बाद आया है। आगामी त्योहारी मौसम में खाद्य उत्पादों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ ही उनकी कीमत को सीमित दायरे में रखने को लेकर भी सि बैठक में चर्चा हुई थी।

जहां तक चीनी की कीमतों का सवाल है तो ऐसी आशंका जताई जा रही थी कि त्योहारी मौसम में बढ़ी जरूरतों को पूरा करने के लिए सरकार चीनी के आयात शुल्क में कमी कर सकती है। फिलहाल चीनी पर 40 फीसदी आयात शुल्क लगता है। इस अटकल की ही वजह से कुछ शहरों में चीनी के भाव 50 पैसे प्रति किलो तक चढ़ गए थे। लेकिन सरकार ने बयान जारी कर इस अटकल को खत्म कर दिया है।

ब्लूमबर्ग ने हाल ही में अपनी एक अध्ययन रिपोर्ट में भी कहा था कि वैश्विक बाजार में चीनी के भाव के 4 वर्षों के उच्च स्तर पर पहुंचने से भारत इसके आयात से परहेज कर सकता है। दरअसल गत 3 वर्षों में पहली बार मॉनसून के सामान्य रहने से भी गन्ने की बेहतर फसल की उम्मीद बढ़ी है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, एक अक्टूबर से शुरू हुए चीनी सत्र में भारत 12.5 लाख टन चीनी का आयात कर सकता है जबकि गत जून में इसके 21 लाख टन होने का अनुमान लगाया गया था।

चीनी उद्योग के जानकारों का कहना है कि 2016-17 के सत्र में भारत का चीनी उत्पादन करीब 233.7 लाख टन रहेगा जबकि एक साल पहले यह 251 लाख टन था। उनका मानना है कि इस सत्र में कम उत्पादन के बावजूद चीनी की कोई कमी नहीं होगी क्योंकि पहले से पर्याप्त भंडार मौजूद है। भारतीय चीनी मिल संघ पहले ही कह चुका है कि पिछले सत्र की करीब 75 लाख टन चीनी का भंडार मौजूद है जो नए सत्र के उत्पादन के साथ मिलकर देश की जरूरतों को पूरा करने के लिए काफी होगा। इस साल 256 लाख टन चीनी की घरेलू मांग आने की संभावना है। इस तरह वर्ष 2017-18 के पेराई सत्र शुरू होने के समय देश के पास करीब 52 लाख चीनी का भंडार बचा रहेगा।